सरकार ने चीनी पर आयात शुल्क 15 फीसदी से बढ़ाकर 25 फीसदी किया

चीनी पर आयात शुल्क बढ़ा

बीएस संवाददाता
मुंबई, 22 अगस्त

केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने देश में चीनी का आयात थामने के लिए उस पर आयात शुल्क बढ़ाने की घोषणा कर दी। नए निर्णय के मुताबिक कच्ची और रिफाइंड चीनी पर आयात शुल्क मौजूदा 15 फीसदी से बढ़ाकर 25 फीसदी कर दिया गया है। इस बारे में सरकार की ओर से अधिसूचना भी जारी की जा चुकी है।

चीनी मिलें आयात शुल्क में इजाफे की मांग कर रही थीं और जून में खाद्य मंत्री रामविलास पासवान ने चीनी मिलों के लिए प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा करते समय आयात शुल्क 40 फीसदी तक बढ़ाने की घोषणा की थी, लेकिन इसे लागू नहीं किया जा सका था। पिछले दो माह के दौरान वैश्विक बाजारों में चीनी की कीमतों में 15 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई, जिसके कारण सरकार ने आयात शुल्क में 10 फीसदी का ही इजाफा किया था। लेकिन यह अब भी वैश्विक बाजारों में आ रही कीमतों में गिरावट के अनुपात में नहीं है। इंडियन चीनी मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के एक प्रवक्ता ने कहा, 'ब्राजील और थाईलैंड जैसे निर्यातक देशों से आपूर्ति बढ़ने के कारण वैश्विक बाजारों में कीमतें घट रही हैं, इसके बावजूद आयात शुल्क में बढ़ोतरी से बंदरगाह आधारित रिफाइनरियों के लिए आयात फायदेमंद नहीं रहेगा।' आईसीई एक्सचेंज बेंचमार्क पर चीनी की कीमतें 26 जून को 18.73 डॉलर डॉलर प्रति पौंड थी जो अब 14.47 फीसदी घटकर 16.02 डॉलर प्रति पौंड पर कारोबार कर रही है। उत्तर प्रदेश की चीनी मिलें लंबे समय से वित्तीय संकट से जूझ रही हैं और यूपी की मिलों ने अक्टूबर से शुरू होने वाले पेराई सत्र में गन्ने की पेराई शुरू नहीं करने का निर्णय किया है। मिलों का कहना है कि घाटा उठाकर पेराई करने का निर्णय सही नहीं होगा। इस्मा ने कहा, 'चीनी आयात को लेकर अनिश्चितता लंबे समय तक नहीं रहेगी और घरेलू बाजार में धारणा सुधर रही है और व्यापारी खरीद में दिलचस्पी दिखा रहे हैं। इससे चीनी मिलों की आय बढ़ाने में भी मदद मिलेगी वहीं गन्ना किसानों को उनके बकाये का भुगतान में भी सहूलियत होगी।'

इस्मा के मुताबिक चीनी उद्योग चाहता है कि चीनी आयात पर शुल्क 40 फीसदी तक बढ़ाया जाए ताकि लंबी अवधि में वैश्विक बाजारों में कीमतें घटने पर चीनी के आयात को रोका जा सके। इस्मा ने कहा कि देश में अब भी करीब 25 लाख टन चीनी का भंडार है।

एनसीडीईएक्स पर चीनी का वायदा भाव आज 0.5 फीसदी घटकर 3,053 रुपये प्रति क्विंटल रहा। हालांकि व्यापारियों का कहना है कि शुल्क में बढ़ोतरी से तत्काल चीनी के हाजिर दाम में इजाफा होने की उम्मीद नहीं है क्योंकि बाजार में चीनी की पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति हो रही है। आयात शुल्क में बढ़ोतरी को वे एक रक्षात्मक कदम के तौर पर देख रहे हैं। आयात शुल्क में बढ़ोतरी के सरकार के आज के निर्णय से चीनी कंपनियों के शेयरों में आज खासी तेजी देखी गई। बंबई स्टॉक एक्सचेंज पर बजाज हिंदुस्तान, श्री रेणुका शुगर्स और बलरामपुर चीनी के शेयरों में 2 से 10 फीसदी की तेजी दर्ज की गई।

चीनी कंपनियों के चढ़े शेयर

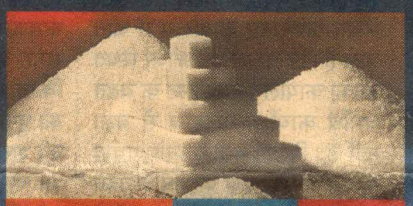

कंपनी	शेयर भाव	तेजी*
उत्तम शुगर	17.80	9.88
बजाज हिंदुस्तान	37.20	7.83
सिंभावली शुगर्स	16.25	4.84
शक्ति शुगर्स	19.75	4.77
अवध शुगर	23.70	4.64

शेयर भाव रुपये में। *तेजी गुरुवार को बंद भाव के मुकाबले फीसदी में

चीनी मिलों ने आयात शुल्क 40 फीसदी तक बढ़ाने की मांग की थी

- घरेलू चीनी उद्योग को राहत देने के लिए आयात रोकने की कवायद
- वैश्विक बाजार में चीनी की कीमतों में आ रही है गिरावट
- घरेलू बाजार में भी कीमतों पर बना हुआ है दबाव

एफआरपी 10 से 20 रुपये बढ़ाने की सिफारिश

कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसीपी) ने आगामी चीनी वर्ष 2015-16 के लिए गन्ने का उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) 10 से 20 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाने की सिफारिश की है। वर्ष 2014-15 के लिए एफआरपी 220 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया था। आगामी गन्ना पेराई सीजन अक्टूबर 2014 में शुरू होगा। अधिकारियों ने कहा कि यह एफआरपी कम से कम 9.5 फीसदी चीनी रिकवरी पर आधारित है। एफआरपी पर अंतिम फैसला केंद्रीय मंत्रिमंडल करेगा। पृष्ठ 6

बिजनेस स्टैन्डर्ड
23/8/14